

प्रेषक,

एल0एम0पन्त,  
अपर सचिव,वित्त,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

मुख्य नगर अधिकारी,  
नगर निगम,  
देहरादून।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून:: दिनांक:: 25 मार्च, 2006

**विषय:-**राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर शासन द्वारा लिए गये निर्णयानुसार चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु मलिन बस्ती सुधार हेतु धनराशि का संक्रमण।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रथम राज्य वित्त आयोग, उत्तरांचल की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिए गये निर्णयानुसार नगर निगम, देहरादून को चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के लिए मलिन बस्तियों के सुधार हेतु रु0 1.00 करोड़ (रु0 एक करोड़ मात्र) की धनराशि संक्रमित किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों के प्रतिबन्धों के अधीन संक्रमित की जा रही है:-

(1) संक्रमित धनराशि शासनादेश संख्या:- ई-6-995/दस-1,1998 दिनांक 20-05-1998 में उल्लिखित राज्य वित्त आयोग की गार्डर्ड लाइन्स के अनुसार व्यय की जायेगी।

(2) संक्रमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बंधित मण्डलायुक्त द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जायेगा। संक्रमित की जा रही धनराशि का उपोग केवल उसी प्रयोजन हेतु किया जायेगा जिसके लिए संक्रमित की गई है। इस धनराशि से किसी प्रकार का व्यावर्तन/समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।

(3) मलिन बस्ती सुधार हेतु संक्रमित की जा रही धनराशि के व्यय से पूर्व उसकी कार्य योजना प्रशासनिक विभाग के माध्यम से वित्त विभाग द्वारा अनुमोदित कराया जाना आवश्यक है।

(4) संक्रमित की जा रही धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों के आगणन सक्षम अधिकारी के अनुमोदन के उपरान्त कार्य प्रारम्भ कराये जायेंगे।

(5) इस धनराशि से विभिन्न सामग्रियों का क्रय नियमानुसार एवं सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से किया जायेगा।

(6) नगर विकास विभाग संक्रमित धनराशि के नियमानुसार उपयोग समीक्षा करेंगे तथा इसका समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि बाऊचर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।

(7) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी / वित्त नियंत्रक / मुख्य / वरिष्ठ / लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।

(8) राज्य वित्त आयोग की अंतरिम संस्तुतियों के आधार पर पूर्णतः तदर्थ रूप से अवमुक्त की जा रही इस धनराशि का समायोजन राज्य वित्त आयोग की अंतिम रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त उस पर सरकार द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार कर लिया जायेगा।

3- इस सम्बंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या:-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन- आयोजनेत्तर-01-नगरीय स्थानीय निकाय-191-नगर निगम-04-राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अन्य अनुदान-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज्य सहायता के नामें डाला जायेगा।

भवदीय,

(एल0एम0पन्त)  
अपर सचिव

संख्या:- 630/XXVII(1)/2006 (1)/2006 तददिनांक  
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तरांचल।
- 3-आयुक्त, गढ़वाल मण्डल।
- 4- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- निदेशक, नगरीय स्थानीय निकाय, देहरादून।
- 7- निदेशक, कोषागार, वित्त सेवायें, देहरादून।
- 8- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल।
- 9- एन0आई0सी0 सचिवालय, देहरादून।

आज्ञा से,

25/3/2006  
(एल0एम0पन्त)  
अपर सचिव